Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 7.671
January to March 2024, E-Journal, Vol. I, Issue XLV

उज्जैन जिले में तिलहनी फसलों के अन्तर्गत मूंगफली फसल की उत्पादकता, लागत एवं लाभपर विशेष अध्ययन

डॉ. बी. एल. पाटीदार* महेन्द्र कुम्भकार**

* प्राध्यापक (वाणिज्य) शा. महाविद्यालय, सोनकच्छ, जिला देवास (म.प्र.) भारत
** शोधार्थी, शा. माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) भारत

प्रस्तावना – मूंगफली वस्तुत: पोषक तत्त्वों की अप्रतिम खान है। प्रकृति ने भरपूर मात्रा में इसे विभिन्न पोषक तत्त्वों से सजाया-सँवारा है। मूंगफली वानस्पतिक प्रोटीन का एक सस्ता स्रोत हैं। इसमें प्रोटीन की मात्रा मांस की तुलना में 1.5 गुना, अण्डों से 2.5 गुना एवं फलों से 8 गुना अधिक होती है। और इसमें 50 प्रतिशत वसा (फैट) होता है। 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में 1 लीटर दूध के बराबर प्रोटीन होता है। कार्बोहाड्रेड 10.2 प्रतिशत होता है। मूंगफली में प्रोटीन की मात्रा 25 प्रतिशत से भी अधिक होती है, जबकि मांस, मछली और अंडों में उसका प्रतिशत 10 से अधिक नहीं होता है। 250 ग्राम मूंगफली के मक्खन से 300 ग्राम पनीर, 2 लीटर दूध या 15 अंडों के बराबर ऊर्जा की प्राप्ति आसानी से की जा सकती है। मूंगफली पाचन शक्ति बढ़ाने में भी कारगर है। 250 ग्राम भूनी मूंगफली में जितनी मात्रा में खनिज और विटामिन पाए जाते हैं, वो 250 ग्राम मांस से भी प्राप्त नहीं हो सकता है। मूंगफली में तेल प्रतिशत मात्रा 45-55 प्रतिशत होता है।

मूंगफली खरीब की मुख्य फसल है, इसे जून-जुलाई माह में बोया जाता है, मूंगफली की फसल के लिए उपयुक्त जलवायु एवं मौसम का अत्यधिक प्रभाव पड़ता है, मूंगफली के उत्पादन के लिए 22 से 25 सेंटीग्रेड तापमान होना चाहिए। मूंगफली के उत्पादन के लिए वर्षा 60 से 130 सेंटीमीटर उपयुक्त होती हैं और वर्षा की पर्याप्त उपलब्धता के परिणाम स्वरुप इसका उत्पादन अधिक होता है। मूंगफली की खेती हल्की रेतीली व हल्की भूमि को छोड़कर सभी प्रकार की भूमि में सफलतापूर्वक की जा सकती है, परन्तु पानी के निकास वाली रेतीली दोमट भूमि मूंगफली के लिए अधिक उपयुक्त होती है।

उज्जैन जिले में मूंगफलीफसल की उत्पादन एवं उत्पादकता के मध्य सहसम्बन्ध

वर्ष	क्षेत्राच्छादन	उत्पादन	उत्पादकता
2016-17	160	180	1,125
2017-18	190	220	1,157
2018-19	250	442	1,768
2019-20	117	156	1,333
2020-21	152	373	2,451

स्त्रोत – किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, मध्यप्रदेश

उज्जैन जिले में मूंगफली तिलहन फसल के उत्पादन एवं उत्पादकता के मध्य कार्ल पियर्सन के सहसम्बन्ध का विस्तृत अध्ययन किया गया। जिसमें पाया गया की मूंगफली की फसल के उत्पादन एवं उत्पादकता में 0.79 उच्च स्तरीय धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया, एवं मूंगफली के उत्पादन व उत्पादकता में सम्भाव्य विभ्रम 0.1133 पाया गया तत्पश्चात् मूंगफली के उत्पादन एवं उत्पादकता के मध्य प्राप्त सहसम्बन्ध की सार्थकता मापी गई, सहसम्बन्ध जो की सम्भाव्य विभ्रम के 6 गुना से अधिक है। अत: मूंगफली फसल के उत्पादन एवं उत्पादकता के मध्य सहसम्बन्ध सार्थक है।

मूंगफली की लागत एवं लाभ – प्रति एकड़ मूंगफली की फसल में बीज की मात्रा लगभग 30 किलो से 35 किलो के बीच लगती है। मूंगफली की बुआई के लिए उत्तम किस्म के बीजों का चयन किया जाता हैं। बुवाई के लिए खेत को तैयार किया जाता हैं। कृषि यंत्र सिडड्रिल के माध्यम से बीज की बुवाई करते है, लाईन से लाईन के बीच की दूरी 16 इंच रखते और बीज से बीज की दूरी 4 से 6 इंच रखते है। बुआई के समय हम बेसलडोज का उपयोग करते है। बीज बुवाई के बाद 48 घंटे के भीतर खरपतवार नाशक का छिडकाव किया जाता है। बीज बुवाई के 30-35 दिन के बाद में रासायनिक कीटनाशक, माइक्रो न्यूटन एवं देशी गोबर की खाद समय समय पर डालते हैं। मूंगफली की लाईन से लाईन के बीच में स्वत: उगने वाली गाजर घास को निंदाई व गुढाई द्वारा हटाया जाता हैं। खेत से मूंगफली की कटाई मजदूरो एवं कृषि यंत्रो द्वारा की जाती हैं। मूंगफली को खेत से मण्डी तक ट्रेक्टर ट्राली व अन्य साधनों (ट्रांसपोर्ट) के माध्यम से पहुचाया जाता हैं। यह निर्भर करता है कि खेत से मण्डी तक की दूरी कितनी है। इस अनुपात में ट्रांसपोर्ट का खर्च कम या ज्यादा हो सकता है। मूंगफली की फसल की कुल लागत प्रति एकड़ ज्ञात करने में निम्नलिखित उपरोक्त लागतों को सम्मिलित किया जाता हैं।

उज्जैन जिले में मूंगफलीफसल से लागत एवं लाभ प्रति क्विंटल के मध्य सहसम्बन्ध

वर्ष	लागत प्रति क्विंटल	लाभ प्रति क्विंटल
2016-17	1,550	2,570
2017-18	1,659	2,791
2018-19	1,756	3,134
2019-20	1,878	3,212
2020-21	2,000	3,275

स्त्रोत – प्राथमिक संमक के आधार पर

उज्जैन जिले में मूंगफली तिलहन फसल की लागत प्रति क्विंटल एवं लाभ प्रति क्विंटल के मध्य कार्ल पियर्सन के सहसम्बन्ध का विस्तृत अध्ययन

किया गया जिसमें पाया गया की मूंगफली की फसल की लागत प्रति क्विंटल एवं लाभ प्रति क्विंटल में 0.94 उच्च स्तरीय धनात्मक सहसम्बन्ध पाया गया एवं मूंगफली की लागत प्रति क्विंटल व लाभ प्रति क्विंटल में सम्भाव्य विभ्रम 0.0351 पाया गया, तत्पश्चात् मूंगफली की लागत एवं लाभ के मध्य पाए गए सहसम्बन्ध की सार्थकता मापी गई जो की सम्भाव्य विभ्रम के 6 गुना से अधिक है। अत: मूंगफली फसल की लागत एवं लाभ के मध्य का सहसम्बन्ध सार्थक है।

निष्कर्ष – उपरोक्त तालिकाओं द्वारा अध्ययन करने के पश्चात् यह ज्ञात हुआ है कि उज्जैन जिले में तिलहनी फसलों के अन्तर्गत मूंगफली की फसल करने से अन्य फसलों की तुलना में पर्याप्त आय अर्जित की जा सकती है। उज्जैन जिले की जलवायु एवं भौगोलिक स्थिति मूंगफली फसल के उपयुक्त है। यहाँ एक सामान्य किसान भी मूंगफली की फसल के उत्पादन से पर्याप्त लाभ अर्जित कर सकता है। क्योंकि उज्जैन जिले में मूंगफली फसल की उत्पादन लागत कम है और मूंगफली फसल से प्राप्ति अधिक है। उज्जैन जिले में वर्ष 2016-17 से वर्ष 2020-21 के मध्य मूंगफली की फसल की लागत एवं लाभ (प्रति क्विंटल) में 0.94 उच्च स्तरीय धनात्मक सहसम्बन्ध एवं सम्भाव्य विभ्रम 0.0351 पाया गया तत्पश्चात मूंगफली की लागत एवं लाभ के मध्य पाए गए सहसम्बन्ध की सार्थकता मापते हैं तोपाया गया है कि उज्जैन जिले में मूंगफली की फसल लागत से पर्याप्त लाभ अर्जित (अन्य बातें समान रहने पर) कर के दे सकती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :-

1. गुप्ता, डॉ. शिव भूषण- कृषि अर्थशास्त्र - एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन हाउस आगरा।
2. जैन, पी.सी. -भारत में कृषि विकास - रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर।
3. राठौर, प्रो. एस.एस.-भारत कृषि अनुसंधान पत्रिका - पब्लिकेशन कृषि प्रणाली, मेरठ।
4. जिला सांख्यिकीय पुस्तिका, जिला सांख्यिकी कार्यालय, उज्जैन वार्षिक प्रकाशन।
5. किसान डायरी, मध्यप्रदेश शासन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, भोपाल।
6. www.ujjain.nic.in
7. www.fci.gov.in
8. www.mpkrashi.org

****